डॉ. वरूण कुमार उपाध्याय
सहायक प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम संयोजक एम.ए.समाजशास्त्र

जिन विद्यार्थियों ने एम.ए. समाजशास्त्र **(सत्र 2019-21 एवं पूरक)** प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी विद्यार्थियों की सूची निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. समाजशास्त्र के प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर 31 मार्च, 2021 तक प्रस्तुत करें। एम.ए. समाजशास्त्र प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य का विवरण निम्नलिखित इस प्रकार हैं-

एमएएस 01 – समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास

एमएएस 02 – समाजशास्त्रीय विचारक (I)

एमएएस 03 – समाजशास्त्र की अवधारणाएँ

एमएएस 04 – सामाजिक मानवविज्ञान

एमएएस 05 – समाजशास्त्र एवं शिक्षा

एमएएस 06 – भारतीय समाज

एमएएस 07 – समाजशास्त्रीय विचारक (II)

एमएएस 08 – समाज मनोविज्ञान

एमएएस 09 – शोध प्रविधि (I)

एमएएस 10 – लिंग एवं समाज

उद्देश्य –

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

निर्देश-

सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढिए एवं इनका अनुपालन करें –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover Page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम: ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या: ....

नाम: ....

पता: ....

...

मो.: ....

ई-मेल: ....

दिनांक: ....

पाठ्यक्रम का नाम: एम.ए. समाजशास्त्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक :..........................

प्रश्न-पत्र कोड :..................................

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित करके प्रस्तुत लिया जा रहा है।
2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का ही स्तेमाल करें। उन सभी कागजों में एक ही तरफ लेखन कार्य क्रेन।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand Written) में ही लेखन कार्य करें।

प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

   शुभकामनाओं के साथ!

पाठ्यक्रम संयोजक

(डॉ. वरूण कुमार उपाध्याय)

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोडः	**एमएएस 01**
प्रश्न पत्र :	**समाजशास्त्र का उद्भव एवं विकास**
अंतिम तिथिः	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंकः	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : फ्रांस की क्रांति के कारणों एवं परिणामों की विस्तृत चर्चा करें।

प्रश्न संख्या 02 : समाजशास्त्र का इतिहास एवं मनोविज्ञान से संबंध को स्पष्ट करें।

प्रश्न संख्या 03 : इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रांति के सामाजिक परिणामों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : अमेरिका में समाजशास्त्रीय चिंतन के विकासक्रम पर अपने विचार लिखिए।

प्रश्न संख्या 05 : भारत में समाजशास्त्र के संस्थापक के रूप में पैट्रिक गिड्स एवं गोविंद सदाशिव घूरिये के योगदानों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड: **एमएएस 02**

प्रश्न पत्र : **समाजशास्त्रीय विचारक (I)**

अंतिम तिथि: **31 मार्च, 2021**

अधिकतम अंक: **30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : अगस्त कॉम्ट के जीवन परिचय एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 02 : हरबर्ट स्पेन्सर के सामाजिक उद्विकास के सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : दुर्खीम के आत्महत्या सिद्धांत की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : मैक्स वेबर के सत्ता एवं शक्ति के सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : समाजशास्त्र के विकास में अगस्त कॉम्ट के प्रत्यक्षवाद सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 03**
प्रश्न पत्र :	**समाजशास्त्र की अवधारणाएँ**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : समाजशास्त्र को परिभाषा करते हुए इसके प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : समाज को परिभाषा करते हुए समाज के विविध प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : सामाजिक प्रतिमान से आप क्या समझते हैं? इसके विविध साधनों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : नातेदारी व्यवस्था को परिभाषित करते हुए नातेदारी के विभिन्न प्रकारों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : संस्कृति को परिभाषित करते हुए संस्कृति के विभिन्न उपादानों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। ।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 04**
प्रश्न पत्र :	**सामाजिक मानवविज्ञान**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सामाजिक मानवशास्त्र को परिभाषित करते हुए इसके प्रकृति एवं अध्ययन क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : परिवार को परिभाषित करते हुए परिवार के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : किन्ही 2 पर टिप्पणी लिखिए।

A. मातृसत्तात्मक व्यवस्था
B. पितृसत्तात्मक व्यवस्था
C. गोत्र एवं टोटम

प्रश्न संख्या 04 : 'युवागृह' के सामाजिक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : जनजातीय समाज के विकास हेतु अपनाए गए विविध सरकारी योजनाओं को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 05**
प्रश्न पत्र :	**समाजशास्त्र एवं शिक्षा**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : शिक्षा एवं समाजशास्त्र के संबंधों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : समाजीकरण को परिभाषित करते हुए समाजीकरण के विविध साधनों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : आधुनिकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : 'धर्म निरपेक्षता' पर निबंध लिखिए।

प्रश्न संख्या 05 : संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना एवं उद्देश्यकी विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 06**
प्रश्न पत्र :	**भारतीय समाज**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : वर्ण व्यवस्था को परिभाषित करते हुए इनके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : आश्रम व्यवस्था को परिभाषित करते हुए इनके विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : 'मेहर'को परिभाषित करते हुए मुस्लिम विवाह के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : ग्रामीण सामाजिक संरचना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : नगरीय समाज को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोडः	**एमएएस 07**
प्रश्न पत्र :	**समाजशास्त्रीय विचारक (II)**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : पारसन्स के जीवन परिचय एवं कृतियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 02 : कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष सिद्धांत की विस्तृत व्याख्याकीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : परेटो के सामाजिक क्रिया सिद्धांतको स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : मर्टन प्रकार्य सिद्धांतको स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : पारसन्स के सामाजिक व्यवस्था सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 08**
प्रश्न पत्र :	**समाज मनोविज्ञान**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : समाज मनोविज्ञान को परिभाषित करते हुए इनके विभिन्न विधियों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : नेतृत्व को परिभाषित करते हुए इनके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 03 : मनोवृत्ति के निर्धारक तत्वों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : सामाजिक संज्ञान से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : सामाजिक समूह की संकल्पना की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 09**
प्रश्न पत्र :	**शोध प्रविधि (I)**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सामाजिक शोध में शोधार्थी की वस्तुनिष्ठता एवं शोध की नैतिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : सामाजिक शोध के विविध चरणों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 03 : शोध प्रचना अथवा शोध अभिकल्प की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : प्राकृतिक एवं सामाजिक शोध को परिभाषित करते हुए दोनों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : प्रयोगात्मक अनुसंधान अभिकल्प की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

एम.ए. (सत्र 2019-21 एवं पूरक) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड:	**एमएएस 10**
प्रश्न पत्र :	**लिंग एवं समाज**
अंतिम तिथि:	**31 मार्च, 2021**
अधिकतम अंक:	**30 अंक**

- **निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : सेक्स एवं जेंडर की सामाजिक संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02 : पितृसत्ता को स्पष्ट करते हुए भारत में पितृसत्ता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 03 : उग्रवादी स्त्रीवाद के प्रमुख मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 04 : महिला सशक्तिकरण समाज हेतु क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 05 : मार्क्सवादी स्त्रीवाद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।